







द्धन्द्ध, बहुवीहि समास

BY POONAM SHA





# WELCOME UMINIED CLASSES

Like Video and Subscribe our channel



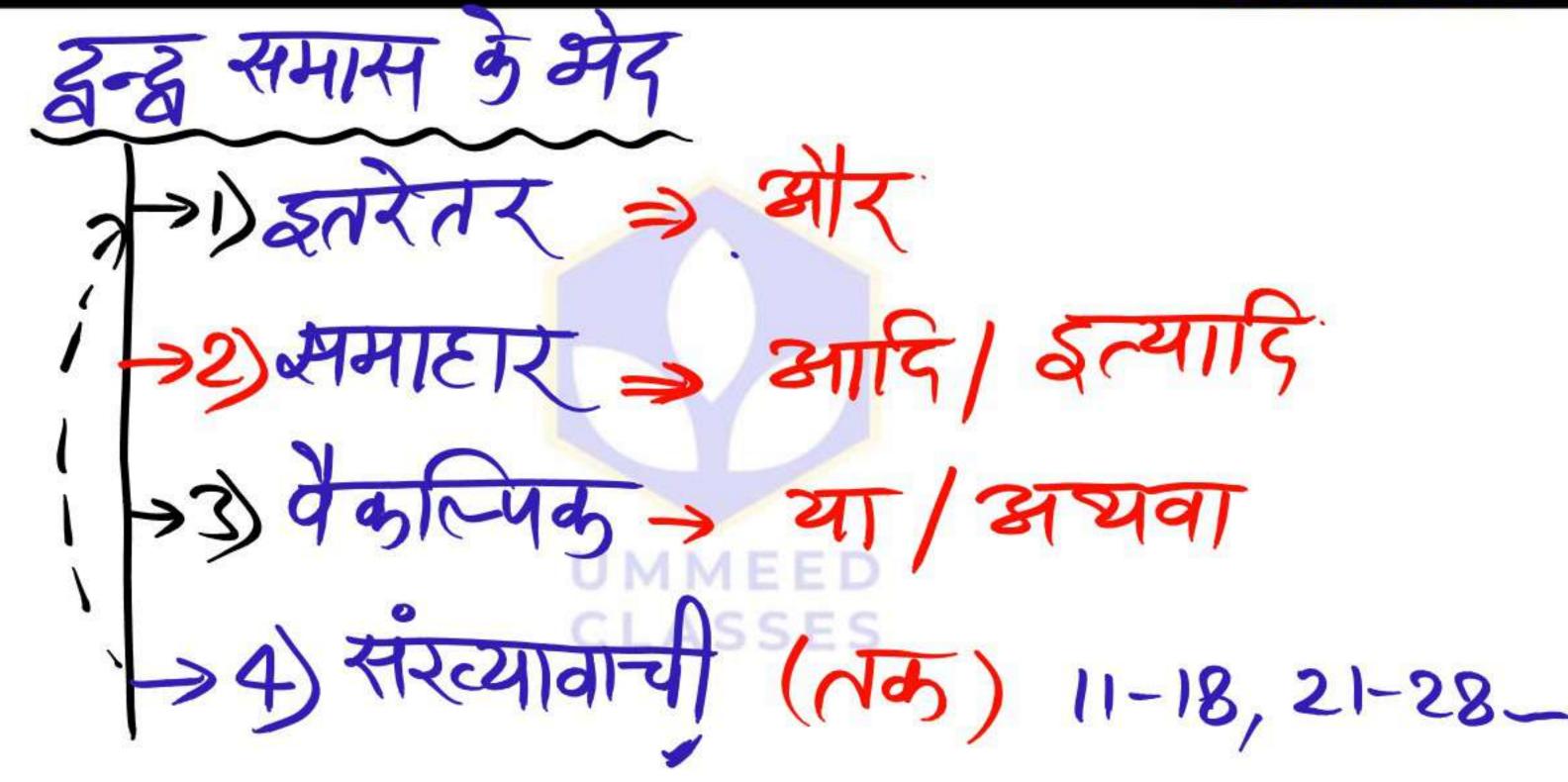
















) कतरेतर द्वन्द्वसमास :- और, तथा, वं उदा -> राधाकण = राधा और क्रपण भाई-बहिन = आई और बहिन पति-पत्नी = पति और पत्नी सीताराम = सीता और राम इकतीस अधक और तीस पन्पन = पाँच और पन्यास





थ समाहार द्वन्त समास:- आद/इत्यादि

उदा > थोटी, कुष्य = थोटी, कुष्य आदि। फल, फुल = फल, फल आदि तन, मन् थन = तन, मन् अस आदि





3) वैकस्पिक द्वन्य समास :- या / अध्या

गुणावगुण = गुण या अवगुण गुठ)-दाष = गुठा था दाष यशापयरो - यश या अपयश लाभ-हानि = लाभ या हानि आय- त्पय = आय या त्पय





4) संरव्यावाची द्वन्द्व (- तक) \* इसे इतरेतर द्वन्द्व समाप्त में शामिल कर लिया गया उपा मेरीस = पॉन और तीस अठाइस = आठ और तीस पेतालीस = पॉन्य और नालीस 18-35 = अठारह से पेतीस्त्रक



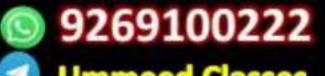


```
ब्हुषीिट समास
```

- \* वीनों पद > प्रधान-गहीं)
- X भीसरा पद अप्रधान
- \* तीसरे अर्थ का बोध्य कराए

39 > कमलासन > कमल का आसन है जिसका (सरस्वर







- 2 आजानुबाह => जानुमां (घरना)तक हे भुजा जिसकी
- 3 पीताम्बर > पीले है अम्बर जिसके (बिच्छे)
- गंगाध्यर > गंगा जिसके स्वर पर हैं (शिव)
  ) अम्बादर > अम्बाह जिसका उदर (गणेश)
- चन्द्रबाखर =) चंद्र है बिखा पर जिसके (बिंव)











